II

Saathi

Date __/__/__

सूती वस्त्र उद्योग को प्रभावित करने वाले कौन से कारक है।

सूती वस्त्र उद्योग

सूती वस्त्र उद्योग स्थानीयकरण के कारक

कपास को ओटने एवं धुनने की औद्योगिक इकाइयाँ प्रधानतः कपास उत्पादन क्षेत्रो के निकट ही स्थापित होती है। क्योंकि कपास मे बिनौलो का वजन कपास के वजन का लगभग 60% तक रहता है।

सूती वस्त्र उद्योग (कताई एवं बुनाई इकाइयाँ) मे प्रयुक्त कच्चा माल रुई (ओटी एवं धुनी हुई कपास) पूर्णतया शुद्ध ऐसा पदार्थ है जिसका सुती वस्त्र निर्माण प्रक्रिया मे वजन कम नही होता है। लगभग एक टन रुई से एक टन सुती धागा तथा एक टन सुती धागे से एक टन सुती वस्त्र तैयार हो जाता है।

सुती वस्त्र उद्योग (कताई एवं बनाई इकाइयो) वर्तमान मे कच्चे माल की स्थानीय उपलब्धता तथा बजार की निकटता के अतिरिक्त के अन्य करको का प्रभाव अधिक महत्वपूर्ण है।

इनमे सस्ते श्रमिको की पर्याप्त उपलबधता नम व आर्द जलवायु शक्ती संसाधनो की उपलब्धता पर्याप्त जल की सुलभता (रगाई एवं धुलाई हेतु

संयुक्त राज्य अमेरिका का सूती वस्त्र उद्योग

वर्तमान मे सयुक्त राज्य अमेरिका का सूती धागा उत्पादन मे चीन तथा भारत के बाद विश्व मे स्थान है। सन् 2000 मे इस देश मे 19.04 लाख मी टन सुती धागा तथा 338

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Page No.

Date ___/___/___

करोड़ वर्ग मीटर सूती वस्त्र उत्पादित किये गये संयुक्त राज्य अमेरिका के अधिकांश सूती वस्त्र उद्योग ऐसी संयुक्त इकाई के रूप में हैं। जिससे सूती धागा तथा सूती वस्त्र निर्मित करने की प्रक्रियाएँ एक साथ ही होती

ग्रेट ब्रिटेन का सूती वस्त्र उद्योग विकास तथा उत्पादन प्रतिरूप —

ग्रेट ब्रिटेन विश्व का प्रथम देश है। जहाँ आधुनिक कारखाना प्रणाली पर आधारित सूती वस्त्र उद्योग की सर्वप्रथम स्थापना की गई एक समय यह सूती वस्त्र उत्पादन में विश्व का अग्रगण्य राष्ट्र थी। सन् 1993 में इस देश का विश्व के सूती वस्त्र उत्पादक देशों में 15 वाँ स्थान था इस वर्ष यहाँ 12 करोड़ मी. सूती वस्त्र तथा 20 हजार मी. टन सूती धागा उत्पादित कियागया

चीन का सूती वस्त्र उद्योग

विश्व के सूती वस्त्र उत्पादक देशों में वर्तमान में चीन का प्रथम स्थान है। चीन में सूती वस्त्र निर्माण का कार्य काफी प्राचीन समय से कुटीर स्तर पर होता आ रहा है। सूती वस्त्रों की बढ़ती हुई माँग के फलस्वरूप चीन में पिछले 40 वर्षों से सूती धागा व सूती वस्त्र निर्माण की वृद्धि हुई

सन् 2000 में लगभग 42 लाख मी. टन सूती धागा तथा 1,900 करोड़ वर्ग मीटर सूती वस्त्र उत्पादित कर चीन सूती धागा व सूती वस्त्र उत्पादन में विश्व का अग्रगण्य देश बनगया है

Date ___/___/___

चीन मे सूती वस्त्र उद्योग का स्थानिक वितरण

चीन मे सूती वस्त्र उत्पादक आधुनिक स्तर के लगभग 300 कारखाने वर्तमान मे कार्यरत है। चीन का सबसे बड़ा सूती वस्त्र उद्योग का केन्द्र यांगटिसी नदी के मुहाने पर स्थित शंघाई महानगर है। शंघाई बंदरगाह से चीन का सर्वाधिक सूती वस्त्र विदेशी को निर्यात किया जाता है। साथ ही यह सूती वस्त्र के व्यापार का चीन मे सबसे बड़ा केन्द्र है। इन्हीं कारणों से संघाई को "चीन का मान्चेस्टर कहा जाता है।

शंघाई के सूती वस्त्र उद्योग का बंदरगाह के माध्यम से जहाँ विदेशी कपास के आयात की सुविधा है। सामुद्रिक आर्द्र जलवायु तथा सस्ते कुशल श्रमिकों की स्थानीय रूप से पर्याप्त उपलब्धता भी शंघाई के सूती वस्त्र उद्योग के विकास मे सहायक रही है।

चीन के अन्य महत्वपूर्ण सूती वस्त्र उद्योग के केन्द्रों के होपे प्रान्त मे शिहाचियाच्युवांग तियंतसिन तथा पिकिंग शान्तुंग प्रान्त का सिंगताओ शेन्सी प्रान्त का सियान व सियेनयांग हुनान प्रान्त का चिंगचाऊ तथा क्यांगसी प्रान्त का नानकिंग नगर है

जापान का सूती वस्त्र उद्योग

वर्तमान मे विश्व के सूती वस्त्र तथा सूती धागा उत्पादित करने वाले देशो मे जापान का स्थान चीन भारत रूसी गणराज्य तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद पाँचवाँ है। सन् 2002 मे 68 करोड़ वर्ग मीटर सूती वस्त्र तथा 190 हजार मीटन सूती धागा उत्पादित किया गया। जापान मे सूती वस्त्र निर्मित करने वाली इकाइयों बड़े पैमाने पर नगरो के साथ साथ देश का आन्तरिक भागो मे स्थित छोटे नगरो तथा ग्रामीण क्षेत्रो मे भी कार्यरत है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताख्वा, बलिया

उद्योग के स्थानीयकरण के व्याख्या किजिए

उद्योग एवं स्थानीयकरण

विश्व मे उद्योगो की वितरण समान नही है। विभिन्न उद्योग भिन्न भिन्न क्षेत्रो मे स्थापित है। उदाहरण के लिए संसार मे लोहा इस्पात निर्माण उद्योग मुख्यत: जर्मनी - ग्रेट ब्रिटेन जपान फ्रांस पश्चिमी रूस और पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका मे स्थापित किये गये है। कनाडा नार्वे और स्वीडन मे कागज उद्योग इग्लैण्ड - भारत दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका मे सूती वस्त्र उद्योग केन्द्रित हुऐ है। विश्व के समस्त देश समान रूप से उद्योगो के स्थानीयकरण के लिए अनुकूल नही है। क्योकि कुछ देशो मे कच्चे माल की सुविधा है। जबकि अन्य देशो मे नही किसी स्थान पर उद्योगो के केन्द्रित हो जाने के लिए निम्नांकित दशाओ का होना आवश्यक है।

(1) पूजी की सुलभता
(2) कच्चे माल की निकटता
(3) शक्ति के साधनो की निकटता
(4) परिवहन के साधनो की सुविधा
(5) बजार की निकटता
(6) अनुकूल जलवायु (7) कुशल और सस्ते श्रमिक (8) सरकारी संरक्षण
(9) पूर्वारम्भ का लाभ

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Saathi

Date __/__/__

(1) पूँजी की सुलभता – प्रत्येक उद्योग की स्थापना के लिए पर्याप्त पूजी की अवश्यक्ता होती है। पर्याप्त मात्रा मे पूँजी उपलब्ध हो जाती है। अमेरिकन युद्धकाल मे कपास निर्यात मे हुई कठिनाई से भारतीय व्यापारियो ने लाभ उठाया और पूर्व से उके निर्यात से प्राप्त पूजी को इन व्यापारियो ने नये-नये उद्योगो की स्थापना मे लगाया। मुम्बई मे सूती वस्त्र उद्योग के विकास मे सर्वाधिक महत्व पूँजी निवेश का रहा है। उद्योग-धन्धे पूजी की प्राप्ति के स्त्रोत के समीप ही स्थापित किया जाय।

(2) कच्चे माल की निकटता – किसी भी उद्योग की स्थापना के लिए कच्चे माल की अवश्यकता होती है। यहाँ उद्योगो की स्थापना मे महत्वपूर्ण तत्व है। सभी उद्योग निर्माण कच्चे माल के निकट ही स्थापित किये जाते थे परन्तु याता यात के साधनो के विकास के कारण अब उद्योगो की स्थापना कच्चे माल की प्राप्ति स्थान से दूर भी की जा सकती है। ग्रेट ब्रिटेन का लंकाशायर वस्त्र उद्योग अपने कच्चे माल कपास के लिए मिस्त्र संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत पर आश्रित है।

उदाहरण के लिए – लोहा इस्पात उद्योग सीमेण्ट उद्योग गन्ना से चीनी आदि उद्योग कच्चे माल की निकटता पर निर्भर करता है। वे उद्योग जो शीघ्र खराब होने वाली वस्तुओ को टिकाऊ वस्तुओ मे निर्मित करते है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date __/__/__

जैसे- दूध से मक्खन और पनीर बनाना फल शाक से अचार मुरब्बे फलो की सुखाना इत्यादि कच्चे माल के निकट ही है

(3) शक्ति के साधनो की सुलभता -

आधुनिक उद्योगो मे शक्ति का अत्यधिक महत्व है। शक्ति के संसाधनो मे अभी भी कोयले का महत्व पूर्ण स्थान है। कोयले उद्योगो के स्थानीयकरण मे एक महत्व पूर्ण कारक है। यही कारण है कि संसार के अधिकाश अयोगीक प्रदेश कोयला क्षेत्रो के समीप ही स्थापित किये गये है ब्रिटेन के यार्क डार्बीशायर नाटिंघमशायर कोयला क्षेत्र जर्मनी की रूर कोयला क्षेत्र तथा सयुक्त राज्य अमेरिका का पेंसिलवेनिया कोयला क्षेत्र के ऐसे उदाहरण दिये जा सकते भरत मे भी रानीगंज -झरिया - कोयला क्षेत्रो के कारण ही निकटवती क्षेत्र मे जुट व लोहा इस्पात उद्योग केन्द्रित है। किन्तु अब शक्ति के कतिपय स्रोतो बिजली और पेट्रोलियम का उपयोग किया जाने लगा है। खनिज तेल को पाइप लाइनो द्वारा दूर तक ले जाया जा सकता है। जापान इसका प्रमुख उदाहरण है यह आवश्यक नही है कि उद्योग धन्धे शक्ति के स्त्रोत के निकट ही स्थापित किया जाय जहा तक बिजली पहुच सकती है। वही तक उद्योग स्थापित किये जा सकते है।

अनेक देशो मे नार्वे स्वीडन -स्विटजर लैण्ड इटली पुर्वी कनाडा जपान और भरत मे कागज बनाने धातु से एल्यूमीनियम प्राप्त करने लुगदी बनाने -

प्राचार्य
... मेमोरियल ...
शिक्षा एवं प्रशिक्षण ...

Date __/__/__

(4) परिवहन के साधनो की सुविधा—
उद्योगो के स्थानीयकरण मे परिवहन की सुविधाओ का प्रभाव अधिक महत्वपूर्ण है। उद्योगो के लिए कच्चे माल को लाने और निर्मित वस्तुओ को बजार तक ले जाने के लिए यातायात के साधनो का विकसित होना आवश्यक है। वरन वे तीव्रगामी और सस्ते भी होने चाहिए आधुनिक युग मे बड़े-बड़े नगर रेल सड़क हवाई मार्ग इत्यादि से जुड़े रहने के कारण इन नगरो मे उद्योगो की स्थापना स्वतः हो जाती है। मुम्बई इसका उदाहरण है। मुम्बई कोयला क्षेत्र से दूर है। क्योकि सूती वस्त्र उद्योग के प्रारम्भ के दिनो मे मशीनो आदि ग्रेट ब्रिटेन से आती थी जिन्हे मुम्बई के बन्दरगाह पर उतरना सुगम होता था और मुम्बई सूती वस्त्र उत्पादन का केन्द्र बन गया परिवहन के साधनो का सस्ता होना लोहा इस्पात तथा सीमेन्ट उद्योग के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।
पिट्सबर्ग ने कोयला उन्ही जहाजो मे भरकर झील मार्ग से पश्चिम के औद्योगिक नगरो को जाता है लौह अयस्क का उतारना और कोयले का लदान क्लीवलैण्ड बन्दरगाह पर होता है।

बाजार की निकटता – जिन क्षेत्रो मे किसी उद्योग विशेष की वस्तुओ की खपत अधिक होती वही वे उद्योग चालू किया जाता है। ऐसा करने मे तैयार माल को बजार तक भेजने मे सुविधा रहती है। तथा खर्च कम होता है। यह अधिक लाभकारी होता है यदि तैयार माल कच्चे की अपेक्षा भारी या जो आयतन मे अधिक होता है। जैसे- सीमेण्ट फर्नीचर पैकिंग बक्स काँच की मिट्टी के बर्तन चीनी के बर्तन आदि—

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

Date ___/___/___

अनुकूल जलवायु – अनुकूल जलवायु उद्योग की स्थापना मे एक महत्वपुर्ण कारक है। उद्योग मे अनेक काम करते हैं और औद्योगिक क्षेत्रो की जनसंख्या उत्तरोत्तर बढ़ती जाती है।

उदाहरण के लिए सूती वस्त्र उद्योग के लिए आर्द्र जलवायु की आवश्यकता होती है। क्योंकि आर्द्र जलवायु प्रदेशो मे ही स्थापित किया जाता है। ग्रेट ब्रिटेन मे मैनचेस्टर संयुक्त राज्य अमेरिका मे न्यू इंग्लैण्ड प्रदेशो की जलवायु इस उद्योग के लिए अधिक अनुकूल है।

कुशल और सस्ते श्रमिक –

उद्योग धन्धों के लिए सस्ते और कुशल श्रमिको का होना अत्यन्त आवश्यक और महत्वपुर्ण कारक है। कुशल और सस्ते श्रमिक अधिक और अच्छा काम करते है। जिससे उत्पादन सस्ता और अच्छा बनता है। जहाँ कुशल और सस्ते श्रमिक मिलते हैं। भारत मे जूते बनाने का काम वहां के कुशल और सस्ते श्रमिको के कारण ही विकसित हो सका आगरा कानपुर मे काँच का समान बनाने का काम फिरोजाबाद अलीगढ़ मे ताले बनाने का काम वहा के कुशल और सस्ते श्रमिक करते है। लंकाशायर मे सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना से पुर्व वहां के निवासी ऊनी वस्त्र निर्माण के कार्य मे प्रवीण थे। स्विट्ज़रलैण्ड घड़ियों का निर्माण तथा घड़ी उद्योग का विकास वहां के कुशल और सस्ते श्रमिको के कारण ही सम्भव हो सका

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान

Page No.

Date __/__/__

प्रश्न- संयुक्त राज्य अमेरिका के लोहा एवं इस्पात उद्योग की विवेचना किजिए

संयुक्त राज्य अमेरिका मे लोहा-इस्पात उद्योग -

उत्तरी अमेरिका मे लोह और इस्पात का पहला कारखाना सन् 1644 मे स्थापित किया गया इसमे लकड़ी का कोयला जलाया जाता है। इसके बाद स्पूरमकिल घाटी मे तथा पेन्सिल वानिया के कोयला क्षेत्र मे इसकी स्थापना हुई कई कारणो से उद्योग का विस्तार पश्चिमी अप्लेशियन भागो मे 19 वी सदी से ही अधिक हुआ

(1) उत्तरी अप्लेशियन प्रदेश - पश्चिमी पेन्सिलवानिया तथा पुर्वी ओहियो मे फैला हुआ है। इस प्रदेश मे लौह अयस्क झील क्षेत्र मे प्राप्त होती है। ओहियो मोन गहेला अलेघनी और महोनिग नदियों द्वारा सस्ती यातायात की सुविधाएँ उत्तरी अप्लेशियन से उच्च कोटि का कोयला मध्यवर्ती पश्चिमी भाग मे कृषि का विकास होता है।

(अ) पिट्सबर्ग- क्षेत्र विश्व का सबसे बड़ा औद्योगिक क्षेत्र माना जाता है। पिट्सबर्ग क्षेत्र मे करखाने ओहियो अलैघनी तथा मोनगहेला नदियों की घाटियों मे पिट्सबर्ग से 65 की॰ के भीतर है।

(ब) यंगसटाउन क्षेत्र मे करखाने शैनेंगो तथा माहोनिंग नदियों की घाटियों मे यंगसटाउन के 48 कि के भीतर स्थित है। संयुक्त राज्य के इस्पात उद्योग का सर्व श्रेष्ठ क्षेत्र है। इस प्रदेश के मुख्य इस्पात केन्द्र पिट्सबर्ग

प्राचार्य
...रा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

कारनेगी, स्कॉटलैण्ड मिडलटन, आयरनटन हार्गिटन, वारेन, मोनहाउस, पोर्टमाउथ, शेरेन और जानसटाउन है। इस क्षेत्र में ठीक कोक बनाने योग्य कोयला प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है।

(2) **बड़ी झीलो** वह प्रदेश संयुक्त राज्य अमेरिका के इस्पात उद्योग का प्रमुख क्षेत्र है जो ईरी मिशीगन औंटेरियो और सुपीरियर झीलो की सहारे फैला है झील मार्गों द्वारा लौह अयस्क और कोयला आसानी से एकत्रा किया जा सकता है और इस्पात की वस्तुएँ देश के भीतरी भागो मे वितरित की जा सकती है

ईरी क्षेत्र – बफैलो से टोलडो और डिट्रायट तक फैला है इस क्षेत्र के मुख्य केन्द्र बफैलो ईरी डिट्रायट लारेन वारेन टोडलो और क्लीवलैण्ड है न तो लौह अयस्क मिलता है और कोयला आसानी से इकट्ठा किया जा सकता है

(ब) **मिशीगन क्षेत्र** – के प्रमुख केन्द्र शिकागो गेरी सेण्टलुई मिलवाकी है यहाँ विश्व के सबसे बड़े दो इस्पात के कारखाने स्थापित है। इन क्षेत्रो मे बढ़िया किस्म का लौह अयस्क और चुना पत्थर मिलता है

(स) **सुपीरियर झील के आस निकट** की मेसाबी श्रेणी से प्रचुर मात्रा में अच्छा लोहा मिल जाता है अप्लेशियन क्षेत्र से लौटते हुए जहाज जहा से काफी कोयला ले जाते है यहा सस्ते जल यातायात

Saathi

Date __/__/____

की सुविधा भी उपलब्ध है।

(3) मध्य अटलाण्टीक तटीय क्षेत्र – मध्य मैसेन्चुसेट्स से लगाकर स्पैरो पाइण्ट तक फैला है। संयुक्त राज्य के अन्य इस्पात प्रदेशों की तुलना मे इस प्रदेश मे न लौह अयस्क ही मिलता है और न कोयला अप्लेशियन क्षेत्र मे प्राप्त किया जाता है चूने का पत्थर स्थानीय रूप से पर्याप्त मात्रा मे मिल जाता है। इस क्षेत्र के प्रधान इस्पात केन्द्र तट के सहारे वाशिंगटन से बोस्टन तक फैले है।

(4) दक्षिणी अप्लेशियन (अथवा अलबामा) प्रदेश – अलबामा राज्य मे फैला है। यहाँ कम्बरलैण्ड तथा दक्षिणी अलैघनी पठार से पूरब मे उपलब्ध विशाल भण्डार से बिटूमिनस कोयला प्राप्त होता है इस क्षेत्र मे प्रसिद्ध बर्मिंघम के चारो ओर 16 की० के क्षेत्र मे चूने का पत्थर लौह अयस्क और कोकिंग कोयला मिल जाता है। यहाँ श्रमिक सस्ते मिल जाते है। यहाँ सबसे अधिक उत्पादन बर्जीनिया मे होता है। इसके मुख्य केन्द्र बर्मिंघम फ्लोरेंस शाराकुआ हास्टन हेगरफील्ड और वाजीनिया है।

(5) पश्चिमी क्षेत्र – संयुक्त राज्य अमेरिका के इस्पात केन्द्रों का विशिष्टीकरण इस प्रकार है।

(क) जलयान न्यूयार्क फिलाडेल्फिया बाल्टीमोर न्यूपोर्ट और विलिंगटन मे बनाये जाते है। (ख) मोटर गाड़िया क्लीवलैण्ड फिलाडेल्फिया डिट्रायट इण्डियानापोलिस कोनसीकिले न्यूयार्क लैसिंग फ्लिट पोस्टिक टोलडो और बफैलो मे तैयार की जाती है। (ग) इंजन तथा बिजली की मशीने न्यूयार्क फिलाडेल्फिया पिट्सबर्ग शिकागो और मिलवाकी मे बनायी जाती है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया
25/07/2020

Page No.